

महाभारतदर्पण

चतुर्थ भाग

शांतिपर्व चतुर्थः प्रश्न, अश्वमेध,

सामान्य मुद्रा, महाभारत, लक्ष्मी राहुण

श्री हरिवंशपर्व सहित

स्वस्ति श्री महाराजाधिराज श्रीराज

काशिराजकी प्राज्ञाद

प्रकाशित कवां वरों ने संस्कृत

सारांश व्याख्यात

वर्णमाला

प्रकाशित कवां वरों ने संस्कृत

प्रकाशमुद्राप्रदान श्रीपंडितलक्ष्मीनारायण ने

शुद्धकराय संवत् १८८६ में मुद्रा तकराया था

सम्पूर्ण विद्यापुस्तकालयों के प्रकाशक और

विद्यापुस्तकालयों के प्रकाशक

वाणेश्वर वाणेश्वरवासी के प्रकाशक

तीसरी बार

लखनऊ

(श्री श्री) के प्रकाशक